<u>पोषण पाठशाला का आयोजन दिनांक 13-07-2022 (समय 12:00 बजे से 02:00 बजे अपरान्ह् तक) की प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>स्थान– एन0आई0सी0, वी0सी0 कक्ष, योजना भवन, लखनऊ</u>।

माननीय प्रधानमंत्री जी व मा0 मुख्यमंत्री जी की सुपोषित भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए विभाग की सेवाओं, पोषण प्रबन्धन, कुपोषण से बचाव के उपाय, पोषण शिक्षा व पोषण के सन्देशों को घर–घर तक पहुॅचाने के लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा दिनॉक 13.07.2022 को एन0आई0सी0 के माध्यम से ''पोषण पाठशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी 75 जनपद के जनपद स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेबकास्ट लिंक **<u>https://webcast.gov.in/up/icds</u>** द्वारा किया गया, जिसे 20 लाख से अधिक पंजीकृत गर्भवती/धात्री महिलाएं व उनके परिवारजनो द्वारा देखा व सुना गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मा0 मंत्री जी महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार श्रीमती बेबी रानी मौर्य द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि पोषण पाठशाला का आयोजन हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरदृष्टि और एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने के महा अभियान हेतु पोषण प्रबन्धन पर एक अत्यंत ही प्रभावशाली रणनीति है। सुपोषित बचपन एक सुदृढ़ भारत की तस्वीर पेश करता है, इसीलिए कहा गया है कि सही पोषण, देश रोशन। पोषण के विषय पर शीर्ष स्तर पर गंभीरता इस बात से भी समझी जा सकती है कि माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय

राज्यपाल महोदया जी, प्रदेश के मंत्रीगण जी तथा प्रदेश, मण्डल एवं जनपद स्तर पर कार्यरत वरिष्ठ अधिकारीगण अपने दौरों और समीक्षा बैठकों में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समुदाय आधारित गतिविधियॉ– गोदभराई, अन्नप्राशन तथा अन्य पोषण संबंधी विषयों को प्रमुखता से देखते और सम्मिलित करते हैं। पोषण के क्षेत्र में कार्यरत सभी विभागों और सामाजिक संस्थाओं के मिले–जुले प्रयास से हम प्रदेश के पोषण की स्थिति में सुधार ला सकते हैं और तमाम महिलाओं और बच्चों को कुपोषण–जनित बीमारियों और मृत्यु से बचा सकते हैं। हमारी सरकार ने पोषण के क्षेत्र में कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, जिससे प्रदेश में एक व्यवस्थित, भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और गतिमान कार्य का माहौल बनाने में मदद मिली है। हर स्तर पर सहयोग से प्रदेश में पोषण के क्षेत्र में कार्य करने का एक बेहतर माहौल विकसित हुआ है और विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का बेहतर सहयोग पोषण के क्षेत्र में हमें प्राप्त हुआ है। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से जुड़े प्रदेश, जनपद, परियोजना स्तरीय अधिकारियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के सघन प्रयास और कठिन परिश्रम की बदौलत पोषण संकेतकों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है और कार्य संस्कृति में सकारात्मक बदलाव आया है।

श्रीमती अनामिका सिंह सचिव, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ने अपने उद्बोधन में पोषण पाठशाला कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में प्रकाश डाला तथा अवगत कराया है कि पोषण की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा वर्ष 2018 में पोषण अभियान की शुरुआत की गई। पोषण अभियान के क्रियान्वयन से विभाग उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पोषण एक अत्यंत ही जटिल विषय है और पोषण संबंधी सकारात्मक व्यवहारों को सुनिश्चित करने के लिए हमारा विभाग निरन्तर प्रयत्नशील है। एक गर्भवती महिला द्वारा प्रतिदिन आयरन, फोलिक एसिड (आई0एफ0ए0) और कैल्शियम कि गोली खाना, पूरे गर्भकाल में अपने वजन की निगरानी करना तथा दस में से कम से कम पाँच खाद्य समूहों का सेवन करा पाना बिना उसकी स्वयं की इच्छा और उसके परिवार के सहयोग के दुरूह कार्य है। इसी प्रकार एक नवजात शिशु को एक घंटे के अंदर स्तनपान करा देना, छह माह की आयु तक केवल स्तनपान कराना और समय से पूरक आहार प्रारम्भ कर स्तनपान जारी रखना भी सुनिश्चित करना बिना परिवार के सदस्यों के सहयोग से कठिन है। साथ ही विभिन्न बाधक तत्व और समाज में व्याप्त मिथक और भ्रांतियाँ सही पोषण व्यवहारों को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करती हैं। पोषण पाठशाला का आयोजन इन्हीं मिथक और भ्रांतियों को दूर करने का सकारात्मक पहल है। विभाग द्वारा किये गये निरन्तर प्रयास का परिणाम है कि स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र के कई संकेतों में NFHF-4 की अपेक्षा NFHF-5 में काफी सुधार हुआ है। NFHF-5 में दुबलापन (wasting) में उत्तर प्रदेश 17.3 प्रतिशत है, जबकि भारत का औसत 19.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं में एनीमिया में उत्तर प्रदेश 45.9 प्रतिशत है, जबकि भारत का औसत प्रतिशत 50.4 है।

डा0 सारिका मोहन, निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा दिनॉक 13.07.2022 को आयोजित पोषण पाठशाला कार्यक्रम का मुख्य थीम ''प्रभावी स्तनपान हेतु सही तकनीक'' व राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त व दक्ष वक्ताओं द्वारा पोषण पाठशाला में चर्चा किए जाने पर प्रकाश डाला गया तथा लाभार्थियों को बेहतर से बेहतर जानकारी प्रदान करना, भ्रान्तियों को दूर करना तथा स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक करना पोषण पाठशाला का मुख्य उददेश्य के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

विषय विशेषज्ञों के रूप में अतिरिक्त प्रोफेसर अरविन्द सिंह सहायक प्रोफेसर सामुदायिक चिकित्सा डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान ऑफ मेडिकल साइन्स लखनऊ, डा0 मोहम्मद सलमान खान वरिष्ठ परामर्शदाता (बाल रोग विशेषज्ञ), वीरांगना अवन्तीबाई महिला अस्पताल लखनऊ, व डा0 वंदना सिंह उप निदेशक (मातृ एवं नवजात बाल स्वास्थ), यू0पी0 टी0एस0यू0 लखनऊ द्वारा पोषण पाठशाला में प्रभावी स्तनपान हेतु सही तकनीक के विषय पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा स्तनपान के सही तकनीक का डेमो भी किया गया। जन्म के एक घण्टे के अन्दर मॉ का दूध अनिवार्यतः पिलाने तथा छः माह तक केवल मॉ का दूध (पानी, शहद, घुट्टी आदि कुछ भी नहीं पिलाना है) पिलाने की महत्ता, आवश्यकता तथा उसके

लाभ के साथ–साथ समाज में फैली भ्रान्तियों के सम्बन्ध में लाभार्थियों को परामर्श दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनपदों के लाभार्थियों (गर्भवर्ती एवं धात्री महिला) द्वारा प्रश्न पूछे गये, जिसका विषय विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर भी दिया गया।

इस कार्यक्रम में श्रीमती बेबी रानी मौर्य मा0 मंत्री महिला कल्याण एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार उ0प्र0 शासन, श्रीमती अनामिका सिंह, सचिव बाल विकास एवं पुष्टाहार, डा0 सारिका मोहन, निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0, श्री कपिल सिंह, निदेशक, राज्य पोषण मिशन, श्री सेराज अहमद, संयुक्त परियोजना समन्वयक, पोषण अभियान के साथ–साथ डॉ0 रिचा एस0 पाण्डेय राज्य प्रतिनिधि यूनिसेफ, डॉ0 डा0 मनीष कुमार पी (निदेशक स्वास्थ्य एवं पोषण) यू0पी0टी0एस0यू0 तथा एलाइव एण्ड थ्राइव के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में श्री संजय अग्रवाल वरिष्ठ तकनीकी निदेशक एन0आई0सी0 द्वारा आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

NIC
DEORIA

NIC
DEORIA